

शिशुनोदरवाद पुं. (तत्.) वह वाद या मत जिसका संबंध जननेन्द्रिय और उदर से हो जैसे- कुछ सीमा तक फ्रायड का काम-सिद्धांत, वह दृष्टिकोण जो मनुष्य की जननेन्द्रिय और पेट को ही प्रमुखता देता है।

शिशुनोदरवादी वि. (तत्.) शिशुनोदरवाद को मानने वाला, शिशुनोदरवाद का समर्थक।

शिष पुं. (तद्.) 1. शिष्य, सीख, शिक्षा, नेक सलाह
2. चोटी, चुटिया, शिखा।

शिषरी वि. (तद्.) 1. शिखर वाला, शिखरसंपन्न, शिखरी पुं. 2. चिचड़ा, अपामार्ग।

शिषा स्त्री. (तद्.) शिखा, चोटी, चुटिया।

शिषि पुं. (तद्.) शिष्य।

शिषी पुं. (तद्.) 1. मोर, मयूर 2. मुर्गा, कुक्कुट।

शिष्ट वि. (तत्.) अच्छे स्वभाव, व्यवहार और आचरण वाला, भला आदमी, सभ्य आदमी, सभ्यतापूर्ण और सौजन्यपूर्ण व्यवहार करने वाला, सज्जन, आचार-व्यवहार में निपुण, शालीन, विनम्र, शांत मंत्रदाता, सलाहकार, प्रमुख श्रेष्ठ व्यक्ति, चतुर मनुष्य, शास्त्रज्ञ, शास्त्र विहित कर्म, शास्त्रानुमोदित कृत्य, अच्छा आदमी, उत्तम व्यक्ति, सभ्य, सुशील, शांत, बुद्धिमान, धीर, विनीत, नीतिमान, धर्मप्रधान उच्च कोटि का, श्रेष्ठ, वशीभूत, आज्ञाधीन, आज्ञाकारी, अवशिष्ट, शेष, बचा हुआ, आदिष्ट।

शिष्टता स्त्री. (तत्.) सभ्यता, भलमनसत, भलमनसाहत, उत्तमता, श्रेष्ठता, सौजन्य, शिष्ट होने का भाव, गुण अथवा अवस्था, शिष्ट आचरण, सुशीलता, विनम्रता।

शिष्टभाषी वि. (तत्.) बातचीत/व्यवहार में शिष्ट शब्दों का प्रयोग करने वाला, शिष्ट भाषा बोलने वाला।

शिष्टमंडल पुं. (तत्.) कुछ महत्वपूर्ण व्यक्तियों का वह दल या प्रतिनिधि मंडल जो किसी विशिष्ट कार्य के लिए कहीं भेजा जाता है
delegation

शिष्ट सभा स्त्री. (तत्.) शिष्ट-परिषद्, प्राचीन काल में राज्य परिषद्, शिष्टों की सभा।

शिष्टाचार पुं. (तत्.) सभ्य या शिष्ट व्यक्तियों की तरह का आचरण, उत्तम व्यवहार, विनम्रता, आने वाले का आदर-सम्मान, आवभगत, निर्धारित नियमों के अनुसार आचरण, सत्कार, दिखावटी और ऊपरी सभ्य व्यवहार, औपचारिक व्यवहार एवं आचरण।

शिष्टाचाराश्रयी वि. (तत्.) शिष्टाचार वाला, शिष्टाचारपूर्ण।

शिष्टाचारी वि. (तत्.) शिष्ट आचरण और व्यवहार करने वाला, सदाचारी, विनम्र. निर्धारित नियमों के अनुसार आचरण करने वाला, शिष्टाचार का पालन करने वाला, शिष्टाचार पूर्ण, विनम्र, शिष्टाचार-संबंधी।

शिष्टानुकरण पुं. (तत्.) सज्जन या शास्त्रज्ञ का अनुकरण, बुद्धिमानों का अनुकरण।

शिष्टि स्त्री. (तत्.) आज्ञा, आदेश, शासन, दंड, सज्जा, हुक्मत, शासन, (छात्र का) परिष्कार, मार्जन, सुधार, सहायता।

शिष्टोक्ति स्त्री. (तत्.) 1. कटु सत्य को शिष्ट शब्दों में कहना, शिष्ट वचन, अशुभ या अशिष्ट कथन को शुभ या शिष्ट शब्दों में कहना 2. काव्य में एक अलंकार जिसमें कटु, कठोर या दुःखद शब्दों के स्थान पर कोमल शब्दों का प्रयोग हो।

शिष्य पुं. (तत्.) 1. वह जिसे किसी अन्य व्यक्ति ने कुछ पढ़ाया या सिखाया हो, ज्ञान दिया हो, चेला, शिष्य, छात्र, विद्यार्थी, शिक्षणीय, किसी महात्मा, धर्माचार्य, विद्वान पुरुष का अनुयायी, जिसने किसी को अपना आध्यात्मिक गुरु बनाया हो, अंतेवासी 2. क्रोध, हिंसा।

शिष्यता स्त्री. (तद्.) शिष्यत्व, शिष्य होने का भाव, अवस्था, गुण, कर्म आदि।

शिष्या स्त्री. (तत्.) 1. बालिका या महिला शिष्य, विद्यार्थिनी, शिष्य का स्त्री भाव या स्त्रीलिंग 2.